

# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)  
PART II—Section 3—Sub-section (I)प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITYसं. 188 ]  
No. 188]नई दिल्ली, मंगलवार, अप्रैल 20, 1999/चैत्र 30, 1921  
NEW DELHI, TUESDAY, APRIL 20, 1999/CHAITRA 30, 1921

## विदेश मंत्रालय

## आदेश

नई दिल्ली, 20 अप्रैल, 1999

सा.का.नि. 275(अ).—जबकि भारत गणराज्य की सरकार और हांगकांग की सरकार के बीच भगोड़े अपराधियों के अभ्यर्पण से सम्बद्ध करार पर 28 जून, 1997 को हांगकांग में हस्ताक्षर हुए थे तथापि करार को प्रवृत्त करने की अपेक्षाओं को पूरा करने के रूप में (हांगकांग की ओर से) अभ्यर्पण 15 अक्टूबर, 1997 को प्राप्त हुई थी और अनुच्छेद-17(1) के संदर्भ में 14 नवम्बर, 1997 को प्रवृत्त हुई थी जिस करार में इस प्रकार व्यवस्था की गई है :—

## अनुच्छेद-एक

## अभ्यर्पण की बाध्यता

दोनों पक्ष इस बात पर सहमत हैं कि वे इस करार में निर्धारित प्रावधानों के अन्तर्गत किसी ऐसे व्यक्ति को एक दूसरे को अभ्यर्पित करेंगे जो प्राथित पक्ष के अधिकार क्षेत्र में पाया जाता है जो इस करार के अनुच्छेद-दो के अन्तर्गत किसी अपराध के संबंध में अभियोजन या दण्डादेश देने या लागू करने के लिए अनुरोधकर्ता पक्ष द्वारा वांछित हो, चाहे यह अपराध इस करार के लागू होने से पहले या बाद से किया गया हो।

## अनुच्छेद-दो

## अपराध

1. निम्नलिखित अपराधों में से किसी के अन्दर आने वाले किसी भी अपराध के लिए फरार हुए अपराधियों के अभ्यर्पण की अनुमति दी जाएगी जहां तक यह दोनों पक्षों के कानूनों के अनुसार कम से कम एक वर्ष के लिए कारावास या किसी अन्य प्रकार की नजरबंदी द्वारा या अपेक्षाकृत अधिक कड़ी सजा द्वारा दंडनीय हो :

(1) - हत्या, नर हत्या या सदोप मानवहत्या

- (ii) आत्महत्या के लिए सहायता करना, ठकसाना, मन्त्रणा देना या योजना करना।
- (iii) दुर्भावना से घायल करना, गंभीर शारीरिक नुकसान पहुंचाना, आक्रमण जिसमें आकस्मिक वास्तविक शारीरिक नुकसान पहुंचा हो या क्षति हुई हो चाहे किसी हथियार से या किसी खतरनाक पदार्थ या अन्यथा तरीके से।
- (iv) द्विविवाह
- (v) बलात्कार
- (vi) महिला तथा बालिकाओं से संबद्ध अपराध
- (vii) अश्लील आक्रमण
- (viii) बच्चे को चुराना, परित्याग करना, उच्छन्न करना या गैरकानूनी तरीके से नजरबन्द करना
- (ix) बच्चे के साथ घोर अश्लीलता
- (x) बालापहरण, अपहरण, मिथ्या कारावास या गैर कानूनी नजरबंदी, जिसमें बंधक बनाना शामिल है, दासों का लेन देन।
- (xi) औपधियों, जिनमें स्वापक और मनःप्रभावी पदार्थ और नशीली औपधि तथा मनः प्रभावी पदार्थों के अवैध निर्माण में प्रयोग किए गए प्रारम्भिक और अनिवार्य रसायन शामिल हैं, से संबद्ध कानून के विरुद्ध अपराध
- (xii) भ्रान्ति, धोखे, आपराधिक विश्वासघात, गबन या आपराधिक अपहरण, चोरी, लूट, संध लगाकर धमकी देकर सम्पत्ति प्राप्त करना या आर्थिक लाभ लेना, चोरी किए हुए सामान का प्रबन्ध करना या प्राप्त करना, मिथ्या लेखाकरण या उस सम्पत्ति के संबंध में अन्य कोई अपराध जिसमें धोखाधड़ी शामिल हो

- (xiii) किसी मामलों, करें या शुल्क से संबद्ध अपराध, चाहे प्राथित पक्ष के कानून के अन्तर्गत उसी प्रकार का कर न भी लगाया जाता हो या उसमें उस प्रकार के कर, शुल्क या सीमा शुल्क विनियम न भी हों जैसे कि प्राथित पक्ष के कानून में हैं
- (xiv) तस्करी, निषिद्ध वस्तुओं, जिनमें ऐतिहासिक और पुरातत्वीय तथा अन्य वस्तुएं शामिल हैं, के आयात और निर्यात से संबद्ध कानूनों के विरुद्ध अपराध,
- (xv) धोखा करने या धोखा देने के लिए षडयन्त्र
- (xvi) दिवाला कानून के विरुद्ध अपराध
- (xvii) कम्पनी के डायरेक्टरों और अन्य अधिकारियों द्वारा दिए गए मिथ्या विवरण
- (xviii) मिथ्या अथवा भ्रामक व्यापार विवरणों से संबद्ध कानून के विरुद्ध कोई अपराध : नकली सिक्के बनाना धोखाधड़ी या जो कुछ धोखाधड़ी की गई है उसका वर्णन करना
- (xix) भ्रष्टाचार, जिसमें घूस, गुप्त कमीशन और विश्वासघात शामिल हैं, से संबद्ध कानून के विरुद्ध अपराध
- (xx) मिथ्या साक्ष्य देना और मिथ्या साक्ष्य के लिए उकसाना, न्यायिक प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न करने का प्रयास करना
- (xxi) जान को खतरे में डालने के इरादे से या इस बात की परवाह न करते हुए कि क्या इससे दूसरे की जान खतरे में पड़ जाएगी, किया गया आपराधिक नुकसान, जिसमें आगजनी, सम्पत्ति को नुकसान पहुंचाना शामिल है चाहे यह सम्पत्ति सार्वजनिक उपयोगिता के लिए प्रयोग की गई हो या किसी अन्य कार्य के लिए उपयोग की जा रही हो।
- (xxii) कम्प्यूटरों के गैर कानूनी प्रयोग करने के अपराध
- (xxiii) आग्नेयास्त्रों से संबद्ध कानून के विरुद्ध अपराध, जिसमें किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा आग्नेयास्त्र या गोला बारूद रखना शामिल है, लेकिन केवल उसके रखने तक ही सीमित नहीं है, जिसका इरादा स्वयं या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जान को खतरे में डालना है या किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा आग्नेयास्त्र का प्रयोग जिसका इरादा स्वयं की या किसी अन्य व्यक्ति की गिरफ्तारी या नजरबंदी का विरोध करना या उसे रोकना हो
- (xxiv) विस्फोटक पदार्थों से संबद्ध कानून के विरुद्ध अपराध जिसमें विस्फोट करना लेकिन केवल इसी तक नहीं सीमित, जिससे जान को खतरे की संभावना हो या सम्पत्ति को गंभीर नुकसान होने की संभावना हो या किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा विस्फोटक पदार्थ बनाना या उसे रखा शामिल है, जिसका इरादा स्वयं या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जान को खतरे में डालना हो या सम्पत्ति को गंभीर नुकसान पहुंचाना हो
- (xxv) समुद्र में जहाज को डुबाना या नष्ट करना : जान लेने या गंभीर शारीरिक नुकसान पहुंचाने के इरादे से गहरे समुद्र में जहाज पर आक्रमण, मालिक के प्राधिकार के विरुद्ध गहरे समुद्र में जहाज में सवार दो या दो से अधिक व्यक्तियों द्वारा विद्रोह करना या विद्रोह के लिए षडयन्त्र करना
- (xxvi) अन्तर्राष्ट्रीय कानून के अनुसार जलदस्युता, जिसमें जहाज या विमान शामिल हैं
- (xxvii) नरसंहार या नरसंहार करने के लिए षडयन्त्र अथवा सीधे और सार्वजनिक अप्रोत्साहन
- (xxviii) विमान, पोतों या परिवहन के अन्य साधनों का गैरकानूनी प्रयोग, धारण करना, निर्व्यवहार, कब्जे में लेना या अपहरण
- (xxix) किसी ऐसे व्यक्ति की गिरफ्तारी या अभियोजन में बाधा डालना जिसने एक ऐसा अपराध किया हो या ऐसा विश्वास हो कि उसने ऐसा अपराध किया है, जिसके लिए इस प्रकार के अन्तर्गत अध्यर्पण की अनुमति दी जा सकती है और जो दोनों पक्षों के कानूनों द्वारा पांच वर्ष या इससे अधिक की अवधि के लिए कारावास या अन्य प्रकार की नजरबंदी द्वारा दंडनीय है
- (xxx) जन स्वास्थ्य और पर्यावरण के संरक्षण से संबद्ध कानूनों के विरुद्ध अपराध
- (xxxi) कोई ऐसा अपराध, जिसके लिए इस प्रकार के अन्तर्गत अध्यर्पण की अनुमति दी जा सकती है, करने से प्राप्त आय धारण करने या खर्च करने से संबद्ध अपराध।
- (xxxii) वे अपराध जिनके लिए फरार हुए अपराधी सम्पत्ति लागू अन्तर्राष्ट्रीय अभिसमयों के अन्तर्गत अध्यर्पित किए जा सकते हैं।
- (xxxiii) कोई ऐसा अपराध करने के लिए सहायता करना, उकसाना, मन्त्रणा देना, योजना करना, अप्रोत्साहन, तथ्य से पहले या बाद में सहायक होना या प्रयास करना या षडयन्त्र करना जिसके लिए इस प्रकार के अन्तर्गत अध्यर्पण की अनुमति दी सकती है।
- (xxxiv) अन्य कोई अपराध जिनका उल्लेख इस पैरा की पहले बताई गई मदों में नहीं किया गया, जो कम से कम एक वर्ष के कारावास या अन्य प्रकार की नजरबंदी द्वारा या अपेक्षाकृत अधिक कड़ी सजा द्वारा दंडनीय है और जो ऐसे भी अपराध हैं जिनके लिए दोनों पक्षों का कानूनों के अनुसार अध्यर्पण की अनुमति दी जा सकती है।
2. ऐसे मामलों में जिनमें फरार हुए अपराधी के अध्यर्पण का अनुरोध सजा पूरी करने के उद्देश्य से किया जाता है, वहां अगली अपेक्षा यह होगी कि कारावास या नजरबंदी की अवधि के मामले में कम से कम छह महीने का दंड भुगतना शेष हो।
3. इस अनुच्छेद के उद्देश्यों के लिए इस बात का निर्धारण करने के लिए कि क्या कोई अपराध दोनों पक्षों के कानूनों के अन्तर्गत दंडनीय अपराध है, उस व्यक्ति के विरुद्ध जिसके अध्यर्पण की मांग की गई है, बतायी गई कुल कार्रवाईयों या गलतियों को अनुरोधकर्ता पक्ष के कानून द्वारा निर्धारित अपराध के तत्वों का जिक्र किए बिना ध्यान में रखा जाता है।
4. जहां फरार हुए अपराधी के अध्यर्पण का अनुरोध सजा पूरी करने के लिए किया जाता है वहां प्राथित पक्ष अध्यापित करने के लिए मना कर सकता है यदि यह प्रतीत हो कि दोषसिद्धि उसकी अनुपस्थिति में की गई है जब तक कि उसे अपनी उपस्थिति में अपने मामले पर पुनः मुकदमा चलाये जाने का अवसर न दिया गया हो, जिस मामले में उसे इस प्रकार के अन्तर्गत एक अभियुक्त व्यक्ति समझा जाएगा।

**अनुच्छेद-तीन****अध्यर्पण के लिए आधार**

फरार हुए अपराधी को मांग किए गए उस व्यक्ति पर मुकदमा चलाने के लिए उपापण का औचित्य सिद्ध करने के वास्ते, यदि अपराध, जिसके लिए वह अभियुक्त है, प्रार्थित पक्ष के प्रदेश में किया गया था या यह सिद्ध करने के लिए कि वह अनुरोधकर्ता पक्ष के न्यायालय द्वारा दोष सिद्ध किया गया वही व्यक्ति है, प्रार्थित पक्ष के कानून के अनुसार साक्ष्य पर्याप्त पाये जाने पर अध्यापित किया जाएगा।

**अनुच्छेद-चार****राष्ट्रिकों का अध्यर्पण**

1. भारत गणराज्य की सरकार को अपने राष्ट्रिकों का अध्यर्पण करने से मना करने का अधिकार है। हांगकांग की सरकार को उस राज्य के राष्ट्रिकों का अध्यर्पण करने से मना करने का अधिकार है, जिस राज्य की सरकार हांगकांग के विदेश संबंधी मामलों के लिए जिम्मेदार है।

2. जहां प्रार्थित पक्ष इस अधिकार का प्रयोग करता है, अनुरोधकर्ता पक्ष यह अनुरोध कर सकता है कि मामले को प्रार्थित पक्ष के सक्षम प्राधिकारियों को सौंपा जाए ताकि व्यक्ति के अभियोजन के लिए मुकदमें की कार्रवाई पर विचार किया जा सके।

**अनुच्छेद-पाँच****मृत्यु-दण्ड**

यदि उस अपराध की सजा जिसके लिए इस करार के अन्तर्गत एक फरार अपराधी के अध्यर्पण के लिए प्रार्थना की गई है अनुरोधकर्ता पक्ष के कानून के अनुसार मृत्यु दण्ड है, और यदि प्रार्थित पक्ष के कानून के तहत ऐसे अपराध के लिए मृत्यु दण्ड नहीं दिया जाता तो अध्यर्पण करने से इन्कार किया जा सकता है जब तक कि अनुरोधकर्ता पक्ष इस प्रकार का आश्वासन न दे दे जिसे प्रार्थित पक्ष पर्याप्त समझे कि मृत्यु दण्ड नहीं दिया जाएगा और यदि दिया भी गया तो उसे कार्यान्वित नहीं किया जाएगा।

**अनुच्छेद-छह****अध्यर्पण की अस्वीकृति**

(1) एक फरार अपराधी का अध्यर्पण नहीं किया जाएगा यदि प्रार्थित पक्ष के पास निम्नलिखित के संबंध में विश्वास करने के लिए पर्याप्त आधार हों :

- (क) कि वह अपराध जिसके लिए व्यक्ति पर आरोप लगाया गया था अथवा दोष सिद्ध किया गया था, एक राजनीतिक किस्म का अपराध है;
- (ख) कि उसकी वापसी का अनुरोध (यद्यपि उसका उद्देश्य उसी अपराध के लिए होगा जिसके लिए अध्यर्पण प्रदान किया जा सकता है), वास्तव में उसकी जाति, धर्म, राष्ट्रीयता, अथवा राजनीतिक विचारधारा को ध्यान में रखते हुए, मुकदमा चलाने अथवा सजा देने के उद्देश्य से किया गया है; अथवा
- (ग) कि यदि उसको वापस किया जाता है तो उसके मुकदमे अथवा सजा, नजरबंदी अथवा उसकी व्यक्तिगत स्वतंत्रता में प्रतिबंधित, उसकी जाति, धर्म, राष्ट्रीयता अथवा उसकी राजनीतिक विचारधारा के कारण, पूर्वाग्रहों से ग्रसित होगी।

2. इस करार के उद्देश्य से निम्नलिखित अपराध राजनीतिक किस्म के नहीं माने जाएंगे :

- (क) भारत गणराज्य की सरकार के राज्याध्यक्ष अथवा हांगकांग के मामले में उस सरकार के राज्याध्यक्ष जो उसके विदेश संबंधी मामलों के लिए उत्तरदायी हैं, अथवा इन दोनों मामलों में राज्याध्यक्षों के नजदीकी परिवार के किसी सदस्य की हत्या अथवा उनके विरुद्ध जानबूझकर किया कोई अपराध;
- (ख) गैरकानूनी रूप से विमान की जब्ती की घटना को दबाने से सम्बद्ध हेग अभिसमय, 1970 के क्षेत्र के अन्तर्गत किया गया अपराध;
- (ग) नागर विमानन की सुरक्षा के विरुद्ध किए गए गैर कानूनी कार्यों को दबाने से सम्बद्ध मांजूरीयल अभिसमय, 1971 के क्षेत्र के अन्तर्गत किया गया अपराध;
- (घ) राजनयिक एजेंटों सहित अन्तर्राष्ट्रीय रूप से संरक्षित व्यक्तियों के विरुद्ध किए गए अपराधों को रोकने और उनके लिए सजा से सम्बद्ध न्यूयार्क अभिसमय, 1973 के क्षेत्र के अन्तर्गत किया गया अपराध;
- (ङ) बन्धक बनाने के विरुद्ध न्यूयार्क अन्तर्राष्ट्रीय अभिसमय, 1979 के क्षेत्र के अन्तर्गत किया गया अपराध;
- (च) कोई भी अपराध जिसके संबंध में दोनों पक्ष बहुपक्षीय करारों के अनुसार या तो वांछित व्यक्ति को अध्यापित करने के लिए अथवा अभियोजन के लिए मामले को उनके सक्षम प्राधिकारियों को सौंपने के लिए बाध्य हैं।

3. फरार हुए किसी अपराधी का अध्यर्पण नहीं किया जाएगा, यदि उसे निर्दोष ठहराया गया हो अथवा माफ कर दिया गया हो अथवा उसका मुकदमा रोक दिया गया है। अनुरोधकर्ता पक्ष अथवा प्रार्थित पक्ष के कानून के अन्तर्गत किसी कारणवश उसकी दोष सिद्धि स्वीकार न की गई हो।

4. इस करार की शर्तों के अन्तर्गत किसी वांछित व्यक्ति के अध्यर्पण के लिए इन्कार किया जा सकता है, यदि प्रार्थित पक्ष को यह लगे कि;

- (क) वह अपराध, जिसका उस पर आरोप लगाया गया है या दोषी ठहराया गया है, एक छोटा मोटा अपराध होने के कारण, अथवा
- (ख) अपराध करने अथवा गैर कानूनी ढंग से फरार हो जाने, जैसा मामला हो, काफी समय गुजर जाने के कारण, अथवा
- (ग) उसके ऊपर दोषारोपण अच्छे इरादे से अथवा न्याय की दृष्टि से नहीं था, अथवा
- (घ) इसके वैध मानवीय आधार थे। सभी परिस्थितियों को देखते हुए उसको वापिस लौटाना अनुचित अथवा दमनकारी होगा।

**अनुच्छेद-सात****अध्यर्पण का स्थगन**

यदि वांछित व्यक्ति पर प्रार्थित पक्ष के क्षेत्राधिकार में किसी अन्य अपराध के लिए मुकदमा चल रहा है अथवा उसे सजा दी गई है तो मुकदमे की कार्रवाई समाप्त होने तक और जो भी सजा दी गई है उसके पूरा होने तक अध्यर्पण को आस्थगित कर दिया जाएगा।

**अनुच्छेद-आठ****अनुरोध एवं समर्थन दस्तावेज**

1. एक फरार अपराधी के अध्यर्पण के लिए अनुरोध, अनुरोधकर्ता पक्ष के उचित प्राधिकारियों द्वारा प्रार्थित पक्ष के उचित प्राधिकारियों से किया जाएगा, जिनके बारे में समय-समय पर एक दूसरे को अधिसूचित

किया जाएगा।

2. अनुरोध के साथ ये भी शामिल होंगे :

- (क) फरार अपराधी का यथा सम्भव सही चित्रण और उसके साथ अन्य कोई भी ऐसी सूचना जो उसकी पहचान, राष्ट्रीयता और उसका पता ठिकाना मालूम करने में सहायक हो;
- (ख) अपराध को विवरण और उसकी जानकारी, जिसके लिए अध्यर्पण का अनुरोध किया गया था;
- (ग) अपराध को परिभाषित करने के लिए यदि कोई विधिक प्रावधान है तो उसका पाठ, दो जाने वाली सजा का एक विवरण और उस अपराध के मामले में होने वाली मुकदमे की कार्यवाही में लगने वाले समय और सजा में लगने वाले समय की सीमा का विवरण।

3. यदि प्रार्थना अभियुक्त व्यक्ति से सम्बद्ध है तो अनुरोधकर्ता पक्ष के अज, मजिस्ट्रेट अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी गिरफ्तारी के वारंट की एक प्रति भी उसके साथ संलग्न होगी और ऐसे साक्ष्य भी जो प्रार्थित पक्ष के कानून के अनुसार उस अपराध के लिए, अगर यह प्रार्थित पक्ष के क्षेत्राधिकार के भीतर किया गया होता, उस व्यक्ति पर मुकदमा चलाना न्यायोचित ठहराता हो।

4. यदि अनुरोध पहले से ही सिद्ध दोषी और दण्डदेशित व्यक्ति से सम्बद्ध है तो अनुरोध के साथ निम्नलिखित भी भेजे जाने चाहिए :

- (क) दोष सिद्ध और दण्डादेश का एक प्रमाणपत्र; और
- (ख) यदि व्यक्ति का दोष सिद्ध हो गया परन्तु सजा नहीं हुई है तो इससे सम्बद्ध उपयुक्त न्यायालय द्वारा दिया गया वक्तव्य और गिरफ्तारी के वारंट की एक प्रति; अथवा
- (ग) यदि व्यक्ति को सजा हो गई है तो इस आशय का एक वक्तव्य कि सजा का यह आदेश प्रवर्तनीय है तथा अभी कितनी सजा बाकी है।

5. यदि अनुरोधकर्ता पक्ष द्वारा दी गई सूचना प्रार्थित पक्ष को इस करार के अनुसरण में कोई निर्णय लेने के लिए अपर्याप्त लगे तो प्रार्थित पक्ष आवश्यक अनुपूरक सूचना के लिए अनुरोध करेगा और उसकी प्राप्ति के लिए एक समय सीमा निश्चित करेगा।

#### अनुच्छेद-नी

##### दस्तावेज की भाषा

यदि किसी विशेष मामले में प्रार्थित पक्ष अपेक्षा करता है तो अनुरोधकर्ता, पक्ष इस करार के उपबन्धों के अनुसार प्रस्तुत किसी भी दस्तावेज का अनुवाद देगा।

#### अनुच्छेद-दस

##### अनन्तिम गिरफ्तारी

1. तात्कालिक मामलों में वांछित व्यक्ति को अनुरोधकर्ता पक्ष के सक्षम प्राधिकारियों के आवेदन पर प्रार्थित पक्ष के कानून के अनुसार अनन्तिम रूप से गिरफ्तार किया जा सकेगा। अनन्तिम गिरफ्तारी से सम्बन्धित आवेदन में वांछित व्यक्ति के अध्यर्पण से सम्बद्ध अनुरोध की मंशा का संकेत तथा वांछित व्यक्ति के गिरफ्तारी वारंट की मौजूदगी अथवा उसके खिलाफ दोषसिद्धि से सम्बद्ध निर्णय का ब्यौरा, और ऐसी कोई अन्य सूचना, यदि कोई हो, शामिल होगी जो उस स्थिति में गिरफ्तारी वारंट जारी करने के औचित्य के लिए आवश्यक हो यदि प्रार्थित पक्ष के क्षेत्राधिकार में

अपराध हुआ था या वांछित व्यक्ति को दोग सिद्ध ठहराया गया था।

2. अनन्तिम गिरफ्तारी के संबंध में किसी आवेदन का प्रेषण उन माध्यमों से, जिनमें अध्यर्पण का प्रेषण किया जाता है, अथवा अन्तर्राष्ट्रीय दण्डिक पुलिस संगठन (इंटरपोल) के माध्यम से किया जा सकता है।

3. वांछित व्यक्ति को अनन्तिम गिरफ्तारी उसकी गिरफ्तारी की तारीख से साठ दिन की अवधि समाप्त हो जाने पर समाप्त कर दी जाएगी यदि उसके अध्यर्पण का अनुरोध प्राप्त नहीं होगा। यह प्रावधान वांछित व्यक्ति की उस स्थिति में पुनः गिरफ्तारी अथवा उसके अध्यर्पण पर रोक नहीं लगाता है यदि उसके अध्यर्पण का अनुरोध बाद में प्राप्त होता है।

#### अनुच्छेद-ग्यारह

##### संगामी अनुरोध

यदि किसी फरार अपराधी के अध्यर्पण के लिए दोनों पक्षों में से किसी एक पक्ष द्वारा और किसी ऐसे राज्य अथवा राज्यों द्वारा एक ही समय अनुरोध किया जाता है, जिसके साथ भारत गणराज्य अथवा हांगकांग, जिनमें से किसी से भी ऐसा अनुरोध किया जा रहा है, ने फरार अपराधी के अध्यर्पण हेतु व्यवस्थाएं कर रखी हों, तो प्रार्थित राज्य अपने तथा अनुरोधकर्ता पक्षों के बीच प्रवृत्त किसी करार में इससे सम्बन्धित व्यवस्थाओं, सापेक्ष गम्भीरता और अपराध स्थान, अनुरोधों की सम्बन्धित तारीखों, वांछित व्यक्ति की राष्ट्रिकता और अन्य राज्य को परवर्ती अध्यर्पण की सम्भावना सहित समस्त परिस्थितियों को ध्यान में रखकर अपने कानून के अनुसार निर्णय लेगा, और फरार अपराधी को अन्य क्षेत्राधिकार में अध्यर्पित करने की स्थिति में अपने निर्णय से दूसरे पक्ष को अवगत कराएगा।

#### अनुच्छेद-बारह

##### अधि-प्रमाणन

1. अनुच्छेद नौ के अनुसार अध्यर्पण के सम्बन्ध में किसी अनुरोध के साथ भेजा जाने वाला कोई भी दस्तावेज, यदि अधिप्रमाणित हो, प्रार्थित राज्य के क्षेत्राधिकार में किसी भी कार्यवाही के दौरान साक्ष्य के रूप में स्वीकार किया जाएगा।

2. इस करार के प्रयोजनार्थ दस्तावेज उस स्थिति में अधिप्रमाणित किया जाता है यदि :

(क) उस पर अनुरोधकर्ता पक्ष के किसी न्यायाधीश, मजिस्ट्रेट अथवा अन्य प्राधिकृत अधिकारी द्वारा हस्ताक्षर करना अथवा उसे प्रमाणित करना अपेक्षित हो; और

(ख) उसे अनुरोधकर्ता पक्ष की अथवा अनुरोधकर्ता पक्ष के किसी अधिकारी की सरकारी अथवा सार्वजनिक मोहरबंद करना अपेक्षित हो।

#### अनुच्छेद-तेरह

##### प्रतिनिधित्व और व्यय

1. प्रार्थित पक्ष अध्यर्पण के सम्बन्ध में किसी अनुरोध के परिणामतः किसी कार्यवाही के लिए सभी आवश्यक प्रबन्ध करेगा और उसके व्यय का वहन करेगा एवं अनुरोधकर्ता पक्ष के हितों का अन्यथा प्रतिनिधित्व करेगा।

2. यदि यह स्पष्ट हो जाता है कि अध्यर्पण के सम्बद्ध किसी अनुरोध के परिणामतः असाधारण व्यय हो सकता है तो दोनों पक्ष यह तय करने के लिए परस्पर परामर्श करेंगे कि इस व्यय को कैसे वहन किया जाए।

3. जिस व्यक्ति के अध्वर्पण की मांग की गई है उसका अध्वर्पण होने तक प्रार्थित पक्ष उस व्यक्ति को गिरफ्तारी और नजरबंदी के परिणामतः होने वाला व्यय वहन करेगा। अनुरोधकर्ता पक्ष सभी परवर्ती व्यय वहन करेगा।

### अनुच्छेद-चौदह

#### अध्वर्पण व्यवस्था

1. यदि किसी फरार अपराधी को अध्वर्पण किया जाना है तो वांछित व्यक्ति को प्रार्थित पक्ष प्राधिकारी उस पक्ष के क्षेत्राधिकार के भीतर ऐसे सुविधाजनक प्रस्थान स्थल पर भेजेंगे जिसका अनुरोधकर्ता पक्ष ने उल्लेख किया हो।

2. इस अनुच्छेद के पैरा 3 के प्रावधानों के अध्वर्पण रहते हुए अनुरोधकर्ता पक्ष वांछित व्यक्ति को एक महीने अथवा प्रार्थित राज्य के कानून के अनुसार अनुमत्य उससे अधिक अवधि के भीतर प्रार्थित पक्ष से ले जायेगा यदि उस अवधि के भीतर उसे नहीं ले जाया गया तो प्रार्थित पक्ष संबंधित अपराध के सिलसिले में उसके प्रत्यर्पण से मना कर सकता है।

3. यदि किसी पक्ष के नियंत्रण से बाहर परिस्थितियां अध्वर्पित किए जाने वाले व्यक्ति का अध्वर्पण करने अथवा उसे अपने अधिकार में लेने से रोकती हैं तो वह दूसरे पक्ष को इसकी सूचना देगा। उस मामले में दोनों पक्ष आपसी सहमति के अनुसार अध्वर्पण के लिए एक नयी तारीख तय करेंगे और इस अनुच्छेद के पैराग्राफ (2) के प्रावधान लागू होंगे।

### अनुच्छेद-पन्द्रह

#### सम्पत्ति का अध्वर्पण

1. जब किसी फरार अपराधी के अध्वर्पण का कोई अनुरोध स्वीकार कर लिया जाता है तो प्रार्थित पक्ष अपने कानून में निहित अनुमति के अनुसार अनुरोधकर्ता पक्ष को ऐसी सभी वस्तुएं जिनमें धनराशियां भी शामिल हैं, सौंप देगा,

(क) जो अपराध का साबूत बन सकती हो; अथवा

(ख) जिन्हें वांछित व्यक्ति द्वारा अपराध के परिणामतः अर्जित किया गया हो और उसके कब्जे में हों अथवा बाद में उनका पता चला हो।

2. यदि प्रश्नगत वस्तुओं को प्रार्थित पक्ष के क्षेत्राधिकार में अभिगृहीत अथवा जब्त किया जा सकता हो तो प्रार्थित पक्ष विचाराधीन कार्यवाहियों के सिलसिले में उन वस्तुओं को अस्थायी रूप से अपने पास रख सकता है अथवा इस शर्त पर सौंप सकता है कि उन्हें वापिस करना होगा।

3. इन प्रावधानों से प्रार्थित पक्ष अथवा वांछित व्यक्ति से भिन्न किसी अन्य व्यक्ति के अधिकारों पर प्रतिफल प्रभाव नहीं पड़ेगा। जब ऐसे अधिकार विद्यमान हों तो अनुरोध पर उक्त वस्तुएं कार्यवाही की समाप्ति के बाद शीघ्रतः बिना किसी प्रभार के प्रार्थित पक्ष को वापिस कर दी जायेगी।

### अनुच्छेद—सोलह

#### विशिष्ट परिस्थितियां और पुनः अध्वर्पण

1. किसी फरार अपराधी जिसे अध्वर्पित किया जा चुका है, के खिलाफ उसके अध्वर्पण से पूर्व निम्नलिखित से भिन्न :

(क) अपराध जिसके संबंध में उसकी वापसी का आदेश दिया गया हो;

(ख) तथ्यों से उद्घाटित अपेक्षाकृत कोई गौण अपराध जिसके संबंध में उसकी वापसी का आदेश दिया गया हो बशर्ते ऐसा कोई अपराध एक ऐसा अपराध हो जिसके लिए इस करार के अधीन उसकी वापसी की जा सकती हो;

(ग) ऐसे किसी अन्य अपराध, जो एक ऐसा अपराध हो जिसके लिए इस करार के अधीन अध्वर्पण किया जा सकता हो, के सम्बन्ध में प्रार्थित पक्ष उसके खिलाफ कार्यवाही करने के लिए सहमत हो;

निम्न किसी ऐसे अपराध के लिए सजा देने के उद्देश्य से उसके खिलाफ तब तक कार्यवाही नहीं की जाएगी, सजा नहीं दी जाएगी अथवा उसे नजरबन्द नहीं किया जाएगा तब तक पहले उसे उस पक्ष के क्षेत्राधिकार को छोड़ने का अवसर न मिला हो जिस पक्ष के पास उसे अध्वर्पित किया गया है अथवा उसने उस क्षेत्राधिकार को छोड़ने की इजाजत मिलने के पैंतालिस दिन के भीतर उसने ऐसा न किया हो अथवा वह उक्त क्षेत्राधिकार छोड़ने के बाद वहां वापस चला गया हो।

2. किसी फरार अपराधी जिसे अध्वर्पित किया जा चुका है, को उसके अध्वर्पण से पूर्व किए गए किसी अपराध के सिलसिले में किसी अन्य क्षेत्राधिकार को तब तक पुनः अध्वर्पित नहीं किया जाएगा जब तक :

(क) प्रार्थित पक्ष ऐसे पुनः समर्पण पर सहमति न दे दे; अथवा

(ख) उसे पहले उस पक्ष के क्षेत्राधिकार को छोड़ने से सम्बद्ध अपने अधिकार के प्रयोग का अवसर मिला हो जिसके पास उसे अध्वर्पित किया गया है और उसने पैंतालिस दिन के भीतर ऐसा न किया हो अथवा उस क्षेत्राधिकार से रवाना होने के बाद वह पुनः स्वेच्छा से वहां वापस आ गया हो।

3. इस अनुच्छेद के पैराग्राफ (1)(ग) अथवा (2)(क) के अधीन जिस पक्ष की सहमति मांगी गई हो वह पक्ष अनुच्छेद आठ में उल्लिखित दस्तावेज अथवा विवरण, और अध्वर्पित व्यक्ति द्वारा इस विषय में दिए गए किसी बयान को पेश करने की मांग कर सकता है।

### अनुच्छेद—सतरह

#### प्रवर्तन, आस्थगन और समापन

1. जिसे तारीख को दोनों पक्ष एक दूसरे को लिखित रूप में यह सूचित कर देंगे कि उन्होंने इस करार को प्रवृत्त करने के लिए संबंधित अपेक्षाएं पूरी कर ली हैं उसके बाद तीस दिन के भीतर यह करार प्रवृत्त हो जाएगा।

जिसके साक्ष्य स्वरूप अपनी-अपनी सरकारों द्वारा विधिवत प्राधिकृत अधोहस्ताक्षरकर्ताओं ने इस करार पर हस्ताक्षर किए हैं।

आज ईसवी सन् उन्नीस सौ सत्तानबे के जून मास के अठ्ठाइसवें दिन हिन्दी, चीनी और अंग्रेजी भाषाओं में सम्मन हुआ, प्रत्येक पाठ समान रूप से प्रामाणिक है।

अतः अब प्रत्यर्पण अधिनियम, 1962 की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा (1962 का 34) प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा यह निदेश देती है कि उक्त अधिनियम के उपबन्ध, अध्याय-III को छोड़कर इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से हांगकांग पर लागू होंगे।

[सं० टी.413/25/95]

एस० आर० तायल, संयुक्त सचिव (सी पी बी)

## MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS ORDER

New Delhi, the 20th April, 1999

**G.S.R. 275(E).**—Whereas the Agreement for the Surrender of Fugitive Offenders between the Government of the Republic of India and the Government of Hongkong was signed in Hong Kong on 28th June, 1997, and whereas the Later notification (From Hongkong side) as to the fulfilment of requirements for the entry into force of the Agreement was received on 15th October, 1997 and in terms of Article 17 (1) entered into force on 14th November, 1997 and which Agreement provides as follows:—

### ARTICLE 1

#### OBLIGATION TO SURRENDER

The parties agree to surrender to each other, subject to the provisions laid down in this Agreement, any person who is found in the jurisdiction of the requested party and who is wanted by the requesting party for prosecution or for the imposition or enforcement of a sentence in respect of an offence under Article 2 of this Agreement whether such an offence was committed before or after the entry into force of the agreement.

### ARTICLE 2

#### OFFENCES

1 Surrender of fugitive offenders shall be granted for an offence coming within any of the following descriptions of offences in so far as it is according to the laws of both Parties punishable by imprisonment or other form of detention for at least one year, or by a more severe penalty:

- (i) Murder, manslaughter or culpable homicide;
- (ii) Aiding, abetting, counselling or procuring suicide;
- (iii) Maliciously wounding; inflicting grievous bodily harm, assault occasioning actual bodily harm or causing injury whether by means of a weapon, a dangerous substance or otherwise;
- (iv) Bigamy;
- (v) Rape;
- (vi) An offence relating to women and girls;
- (vii) Indecent assault;
- (viii) Stealing, abandoning, exposing or unlawfully detaining a child;
- (ix) Gross indecency with a child;
- (x) Kidnapping; abduction; false imprisonment or unlawful detention, including the taking of a hostage; dealing in slaves;
- (xi) Offences against the law relating to drugs, including narcotics and psychotropic substances and precursors and essential chemicals used in the illegal manufacture of narcotic drugs and psychotropic substances;
- (xii) Obtaining property or pecuniary advantage by deception; cheating; criminal breach of trust; embezzlement or criminal misappropriation; theft; robbery; burglary; blackmail; handing or receiving

stolen goods; false accounting or any other offence in respect of property involving fraud;

- (xiii) Offences relating to fiscal matters, taxes or duties, notwithstanding, that the law of the requested Party does not impose the same kind of tax or duty or does not contain a tax, duty or customs regulation of the same kind as the law of the requesting Party;
- (xiv) Smuggling; offences against laws relating to the import and export of prohibited items, including historical and archaeological and other items;
- (xv) Conspiracy to commit fraud or to defraud;
- (xvi) Offences against bankruptcy law;
- (xvii) False statements by company directors and other officers;
- (xviii) Any offence against the law relating to false or misleading trade descriptions; counterfeiting of coins, or forgery or uttering what is forged;
- (xix) An offence against the laws relating to corruption, including bribery, secret commissions, and breach of trust;
- (xx) Perjury and subornation of perjury; attempting to pervert the course of justice;
- (xxi) Criminal damage, including arson, damaging property whether used for public utilities or otherwise with intent to endanger life or with reckless disregard as to whether the life of another would thereby be endangered;
- (xxii) Offences involving the unlawful use of computers;
- (xxiii) An offence against the law relating to firearms, including but not limited to the possession of a firearm or ammunition by a person who intends either himself or through another person to endanger life or the use of a firearm by a person with intent to resist or prevent the arrest or detention of himself or another person;
- (xxiv) An offence against the law relating to explosives, including but not limited to the causing of an explosion likely to endanger life or cause serious damage to property or the making or possession of an explosive substance by a person who intends either himself or through another person to endanger life or cause serious damage to property;
- (xxv) Sinking or destroying a vessel at sea; assaults on board a ship on the high seas with intent to destroy life or to do grievous bodily harm; revolt or conspiracy to revolt by two or more persons on board a ship on the high seas against the authority of the master;
- (xxvi) Piracy, involving ships or aircraft, according to international law;
- (xxvii) Genocide or conspiracy or direct and public incitement to commit genocide;
- (xxviii) Unlawful use, possession, control, seizure or hijacking of aircraft, vessels or other means of transportation;

- (XXIX) Impeding the arrest or prosecution of a person who has or is believed to have committed an offence for which surrender may be granted under this Agreement and which is punishable according to the laws of both Parties by imprisonment or other form of detention of a period of five years or more
- (XXX) Offences against the laws relating to the protection of public health and the environment
- (XXXI) Offences relating to the possession or laundering of proceeds obtained from the commission of any offence for which surrender may be granted under this Agreement
- (XXXII) Offences for which fugitive offenders may be surrendered under International Conventions currently applied
- (XXXIII) Aiding, abetting, counselling or procuring the commission of, inciting, being an accessory before or after the fact to or attempting or conspiring to commit any offence for which surrender may be granted under this Agreement
- (XXXIV) Any other offences not referred to in the previous items of this paragraph, which are punishable by imprisonment or other form of detention for at least one year or by a more severe penalty and which are also offences for which surrender may be granted in accordance with the laws of both Parties.

(2) where surrender of a fugitive offender is requested for the purpose of carrying out a sentence, a further requirement shall be that in the case of a period of imprisonment or detention at least six months remain to be served.

(3) For the purposes of this Article, in determining whether an offence is an offence punishable under the laws of both parties the totality of the acts or omissions alleged against the person whose surrender is sought shall be taken into account without reference to the elements of the offence prescribed by the law of the requesting party.

(4) Where surrender of a fugitive offender is requested for the purpose of carrying out a sentence the requested Party may refuse to surrender him if it appears that the conviction was obtained in his absence, unless he has the opportunity to have his case retried in his presence, in which case he shall be considered as an accused person under this Agreement.

#### ARTICLE 3

##### BASIS FOR SURRENDER

A fugitive offender shall be surrendered only if the evidence be found sufficient according to the law of the requested Party either to justify the committal for trial of the person sought if the offence of which he is accused had been committed in the territory of the requested Party or to prove that he is the identical person convicted by the courts of the requesting Party.

#### ARTICLE 4

##### SURRENDER OF NATIONALS

(1) The Government of the Republic of India reserves the right, to refuse the surrender of its nationals. The Government of Hong Kong reserves the right to refuse the sur-

render of nationals of the State whose Government is responsible for its foreign affairs.

(2) Where the requested Party exercises this right, the requesting Party may request that the case be submitted to the competent authorities of the requested Party in order that proceedings for the prosecution of the person may be considered.

#### ARTICLE 5

##### DEATH PENALTY

If the offence for which surrender of a fugitive offender is requested under this Agreement is punishable according to the law of the requesting Party with the death penalty, and if in respect of such an offence the death penalty is not provided for by the law of the requested Party, surrender may be refused unless the requesting Party gives such assurances as the requested Party considers sufficient that the death penalty will not be imposed or if imposed will not be carried out.

#### ARTICLE 6

##### REFUSAL OF SURRENDER

A fugitive offender shall not be surrendered if the requested Party has substantial grounds for believing:

- (1) (a) that the offence of which that person is accused or was convicted is an offence of a political character;
- (b) that the request for his return (though purporting to be made on account of an offence for which surrender may be granted) is in fact made for the purpose of prosecuting or punishing him on account of his race, religion, nationality or political opinions; or
- (c) that he might, if returned, be prejudiced at his trial or punished, detained or restricted in his personal liberty by reason of his race, religion, nationality or political opinions

(2) For the purposes of this agreement, the following offences shall not be considered to be of a political character:

- (a) murder or other wilful crime against the person of the Head of State of the Republic of India, or, in the case of Hong Kong, the Head of State whose government is responsible for its foreign affairs, or in either case of a member of the head of State's immediate family;
- (b) an offence within the scope of the Hague Convention for the Suppression of Unlawful Seizure of Aircraft, 1970;
- (c) an offence within the scope of the Montreal Convention for the Suppression of Unlawful Acts against the Safety of Civil Aviation, 1971;
- (d) an offence within the scope of the New York Convention on the Prevention and Punishment of Crimes against Internationally Protected Persons, including Diplomatic Agents, 1973;

- (c) an offence within the scope of the New York International Convention against the Taking of Hostages, 1979;
- (f) any offence in respect of which both parties have an obligation in accordance with a multilateral agreement either to surrender the person sought or to submit the case to their competent authorities for prosecution.

(3) A fugitive offender shall not be surrendered if he has been acquitted or pardoned or if his prosecution is barred or his conviction set aside for any reason provided for under the law of the requesting Party or the requested Party.

(4) The surrender of any person sought under the terms of this Agreement may also be refused if it appears to the requested Party that:

- (a) by reason of the trivial nature of the offence of which he is accused or was convicted; or
- (b) by reason of the passage of time since he is alleged to have committed it or to have become unlawfully at large as the case may be; or
- (c) because the accusation against him is not made in good faith or in the interests of justice; or
- (d) because there exist valid humanitarian grounds it would, having regard to all the circumstances, be unjust or oppressive to return him.

#### ARTICLE 7

##### POSTPONEMENT OF SURRENDER

If the person sought is being proceeded against or is under punishment in the jurisdiction of the requested Party for any other offence, surrender shall be deferred until the conclusion of the proceedings and the execution of any punishment awarded.

#### ARTICLE 8

##### THE REQUEST AND SUPPORTING DOCUMENTS

(1) Requests for the surrender of a fugitive offender shall be made by and to the appropriate authorities of the Parties as may be notified between them from time to time.

(2) The request shall be accompanied by:

- (a) as accurate a description as possible of the fugitive offender, together with any other information which would help to establish his identity, nationality and whereabouts;
- (b) a statement and particulars of the offence for which surrender is requested;
- (c) the text of the legal provisions, if any, creating or defining the offence, a statement of the punishment which can be imposed therefor and a specification of any time limit that is imposed on the institution of proceedings or on the enforcement of any sentence in respect of that offence.

(3) If the request relates to an accused person, it shall also be accompanied by a copy of the warrant of arrest issued by a judge, magistrate or other competent authority of the requesting Party and by such evidence as, according to the law of the requested Party, would justify his committal for trial if the offence had been committed within the jurisdiction of the requested Party.

(4) If the request relates to a person already convicted and sentenced, it shall also be accompanied by:

- (a) a certificate of the conviction and sentence; and
- (b) if the person was convicted but not sentenced, a statement to that effect by the appropriate court and a copy of the warrant of arrest; or
- (c) if the person was sentenced, a statement that the sentence is enforceable and indicating how much of the sentence has still to be served.

(5) If the information communicated by the requesting Party is found to be insufficient to allow the requested Party to make a decision in pursuance of this Agreement, the latter Party may request the necessary supplementary information and may fix a time-limit for receipt thereof.

#### ARTICLE 9

##### LANGUAGE OF DOCUMENTATION

If in a particular case the requested Party so requires, the requesting Party shall supply a translation of any document submitted in accordance with the provisions of this agreement.

#### ARTICLE 10

##### PROVISIONAL ARREST

(1) In urgent cases the person sought may, in accordance with the law of the requested Party, be provisionally arrested on the application of the competent authorities of the requesting Party. The application for provisional arrest shall contain an indication of intention to request the surrender of the person sought and a statement of the existence of a warrant of arrest or a judgement of conviction against that person, and such further information, if any, as would be necessary to justify the issue of a warrant of arrest had the offence been committed, or the person sought been convicted, within the jurisdiction of the requested party.

(2) An application for provisional arrest may be forwarded through the same channels as a request for surrender or through the International Criminal Police Organisation (Interpol).

(3) The provisional arrest of the person sought shall be terminated upon the expiration of sixty days from the date of his arrest if the request for his surrender shall not have been received. This provision shall not prevent the re-arrest or surrender of the person sought if the request for his surrender is received subsequently.



**CONCURRENT REQUESTS**

If the surrender of a fugitive offender is requested concurrently by one of the Parties and a State or States with whom the Republic of India or Hong Kong, whichever is being requested, has arrangements for the surrender of fugitive offenders, the requested Party shall make its decision in so far as its law allows having regard to all the circumstances including the provisions in this regard in any Agreements in force between the requested Party and the requesting Parties, the relative seriousness and place of commission of the offences, the respective dates of the requests, the nationality of the person sought and the possibility of subsequent surrender to another State, and notify the other Party of its decision in the event of surrender of the fugitive to another jurisdiction.

**ARTICLE 12****AUTHENTICATION**

(1) Any document that, in accordance with Article 9, accompanies a request for surrender shall be admitted in evidence, if authenticated, in any proceedings in the jurisdiction of the requested Party.

(2) A document is authenticated for the purposes of this Agreement if:

- (a) it purports to be signed or certified by a judge, magistrate or other officer authorised by the requesting Party; and
- (b) it purports to be sealed with an official or public seal of the requesting Party or of an officer of the requesting Party.

**ARTICLE 13****REPRESENTATION AND COSTS**

(1) The requested Party shall make all necessary arrangements for and meet the costs of any proceedings arising out of a request for surrender and shall otherwise represent the interests of the requesting Party.

(2) If it becomes apparent that exceptional expenses may be incurred as a result of a request for surrender the Parties shall consult with a view to deciding how these expenses will be met.

(3) The requested Party shall bear the expenses arising out of the arrest and detention of the person whose surrender is sought until that person is surrendered. The requesting Party shall bear all subsequent expenses.

**ARTICLE 14****ARRANGEMENTS FOR SURRENDER**

(1) If a fugitive offender is to be surrendered, the person sought shall be sent by the authorities of the requested Party to such convenient place of departure within that Party's jurisdiction as the requesting Party shall indicate.

(2) Subject to the provisions of paragraph (3) of this Article the requesting Party shall remove the person sought from the requested Party within one month or such longer period as may be permitted under the law of the requested Party. If he is not removed within that period the requested Party may refuse to extradite him for the same offence.

(3) If circumstances beyond its control prevent a Party from surrendering or taking over the person to be surrendered, it shall notify the other Party. In that case, the two Parties, upon mutual agreement, shall set a new date for surrender and the provisions of paragraph (2) of this Article shall apply.

**ARTICLE 15****SURRENDER OF PROPERTY**

(1) When a request for surrender of a fugitive offender is granted the requested Party shall so far as its law allows hand over to the requesting Party all articles, including sums of money,

- (a) which may serve as proof of the offence; or
- (b) which have been acquired by the person sought as a result of the offence and are in his possession or discovered subsequently.

(2) If the articles in question are liable to seizure or confiscation within the jurisdiction of the requested Party the latter may, in connection with pending proceedings, temporarily retain them or hand them over on condition that they are to be returned.

(3) These provisions shall not prejudice the rights of the requested Party or of any person other than the person sought. When such rights exist the articles shall on request be returned to the requested Party without charge as soon as possible after the end of the proceedings.

**ARTICLE 16****SPECIALITY AND RESURRENDER**

(1) A fugitive offender who has been surrendered shall not be proceeded against, sentenced or detained with a view to the carrying out of a sentence for any offence committed prior to his surrender other than :

- (a) the offence in respect of which his return is ordered;
- (b) any lesser offence however described disclosed by the facts in respect of which his return was ordered provided such an offence is an offence for which he can be returned under this Agreement;
- (c) any other offence being an offence for which surrender may be granted under this Agreement in respect of which the requested Party may consent to his being dealt with;

unless he has first had an opportunity to leave the jurisdiction of the Party to which he has been surrendered or he has not done so within forty-five days of his having been free to leave the jurisdiction or has returned to that jurisdiction having left it.

(2) A fugitive offender who has been surrendered shall not be re-surrendered to another jurisdiction for an offence committed prior to his surrender unless :

- (a) the requested Party consents to such re-surrender; or
- (b) he has first had an opportunity to exercise his right to leave the jurisdiction of the Party to which he has been surrendered and has not done so within forty-five days or has voluntarily returned to that jurisdiction having left it.

(3) A Party whose consent is requested under paragraphs (1) (c) or (2) (a) of this Article may require the submission of any document or statement referred to in Article 8, and any statement made by the surrendered person on the matter.

#### ARTICLE 17

#### ENTRY INTO FORCE, SUSPENSION AND TERMINATION

(1) This Agreement shall enter into force thirty days after the date on which the Parties have notified each other in writing that their respective requirements for the entry into force of this Agreement have been complied with.

(2) Either of the Parties may suspend or terminate this Agreement at any time by giving notice to the other through the same channels as a request for the surrender of a fugitive offender. Suspension shall take effect on receipt of the relevant notice. In the event of termination the Agreement shall cease to have effect six months after the receipt of the notice.

In witness whereof the undersigned, being duly authorised by their respective government, have signed this Agreement.

Done at Hong Kong this 28th days of June, in the year one thousand nine hundred and ninety seven in the Hindi, Chinese and English languages, each text being equally authentic.

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Extradition Act, 1962 (34 of 1962), the Central Government hereby directs that the provisions of the said Act, other than Chapter III, shall apply to Hong Kong with effect from the date of publication of this notification.

[No. T. 413/25/95]

S. R. TAYAL, Jt. Secy. (CPV)